चला गया अनुपम... पर तीन जिंदगियों में धड़कता रहेगा उसका जीवन

शुजालपुर के नालमे परिवार का इंदौर में मानवता का स्वर्णिम अध्याय, 67वें हरित गलियारे से अंगदान की मिसाल

शुजालपुर। कभी-कभी जिंदगी बहुत जल्दी हार मान लेती है... लेकिन कुछ लोग जाते-जाते भी जिंदगी बांट जाते हैं। शुजालपुर के 34 वर्षीय अनुपम नालमे अब इस दुनिया में नहीं हैं, लेकिन उनका दिल, उनका जीवन, उनकी सांसें अब तीन अलग-अलग शरीरों में धड़केंगी। उनका जाना एक परिवार के लिए असहनीय पीड़ा लेकर आया, लेकिन उसी पीड़ा से जन्मी एक ऐसी मिसाल, जो समाज को हमेशा प्रेरित करती रहेगी। माँ

अनुपम नालमे

शुजालपुर में गार्ड ऑफ ऑनर देते पुलिस टीम।

अहिल्या की पावन नगरी इंदौर ने एक बार फिर मानवता का सबसे उज्ज्वल रूप देखा, जब शुजालपुर के अनुपम के परिवार ने अपने बेटे को खोने के गहरे दुख के बीच अंगदान का निर्णय लेकर कई जिंदगियों को नया जीवन देने का संकल्प लिया।

अनुपम नालमे पिता जगदीश नालमे एक सामान्य दिन जी रहे थे। वे अपने सिविल इंजीनियर ताऊजी अनिल नालमे व जुबीन नालमे के साथ अभियंता का कार्य करते थे और स्वभाव से मददगार अनुपम हमेशा दूसरों के लिए खड़े रहने वाले इंसान थे। लेकिन 20 मार्च को आए एक गंभीर मस्तिष्क रक्तस्राव ने सब कुछ बदल दिया। उन्हें इंदौर के सीएचएल केयर अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टरों ने हर संभव प्रयास किया, लेकिन नियति को कुछ और ही मंजूर था। चिकित्सकीय परीक्षणों के बाद शाम 5।13 बजे और फिर रात 11।50 बजे दो चरणों में मस्तिष्क मृत्यु प्रमाणन किया गया। यह वह क्षण था, जब उम्मीदें लगभग समाप्त हो चुकी थीं लेकिन यहीं से एक नई उम्मीद जन्म लेने वाली थी।

दर्द के बीच लिया सबसे बड़ा निर्णय

जिस समय एक परिवार अपने बेटे को खोने के गम में टूट जाता है, उस समय नालमे परिवार ने एक ऐसा निर्णय लिया, जो हर किसी के बस की बात नहीं। मुस्कान समूह के सेवादारों की परामर्श प्रक्रिया के बाद परिवार ने अंगदान के लिए सहमति दी। पिता जगदीश नालमे, बुआ डॉ। वर्षा, भाई अनुराग और जुबीन नालमे सभी ने मिलकर यह ठाना कि अनुपम की जिंदगी यहीं खत्म नहीं होगी।।। वह दूसरों के जीवन में आगे बढ़ेगा। यह निर्णय केवल एक सहमति नहीं, बल्कि मानवता के प्रति उनका समर्पण था।

अब तीन जिंदगियों में धड़केगा अनुपम...

अनुपम का लीवर सीएचएल केयर अस्पताल में भर्ती 44 वर्षीय महिला को नया जीवन देगा। एक किडनी 34 वर्षीय महिला को और दूसरी किडनी शैल्बी अस्पताल में भर्ती 39 वर्षीय पुरुष को प्रत्यारोपित किया जाएगा। इन अंगों को समय पर पहुंचाने के लिए इंदौर में 67वां ग्रीन कॉरिडोर बनाया गया, एक ऐसा रास्ता, जहां हर संकेत थम जाता है, लेकिन जिंदगी दौड़ती है।

अनुपम गया नहीं... अमर हो गया

एक बेटे को खोने का दुख शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता, लेकिन उस दुख के बीच लिया गया यह निर्णय अनुपम को अमर बना गया। अब वह सिर्फ एक नाम नहीं, बल्कि एक प्रेरणा है, एक ऐसी प्रेरणाए जो सिखाती है कि मृत्यु अंत नहीं होती, यदि आप किसी और को जीवन दे जाएं।

और भी देना चाहता था यह परिवार

दुख की इस घड़ी में भी शुजालपुर का नालमे परिवार यहीं नहीं रुका। उन्होंने हाथ, अग्न्याशय, अस्थि, हृदय वाल्व और छोटी आंत तक दान करने की इच्छा जताई। राष्ट्रीय स्तर पर चेतावनी जारी की गई, ताकि अधिक से अधिक जरूरतमंदों तक मदद पहुंच सके। हालांकि तकनीकी कारणों और तत्काल आवश्यकता न होने के कारण इन अंगों का उपयोग नहीं हो सका।

गार्ड ऑफ ऑनर से दी अंतिम विदाई...

इंदौर में हुई अंग दान की प्रक्रिया के बाद अस्पताल में अनुपम को राजकीय सम्मान के साथ गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। इसके उपरांत अनुपम के पार्थिव शरीर को शुजालपुर लाया गया, यहां पर भी गार्ड ऑफ ऑनर के साथ अंतिम विदाई दी गई। अंतिम संस्कार शुजालपुर स्थित शांतिवन में हुआ और हजारों नम आखों ने अनुपम को अंतिम विदाई दी। साथ ही नालमे परिवार के द्वारा लिए गए मानवता के मिसाल वाले इस निर्णय की हर वर्ग ने सरहाना की।

एक नजर में

मक्सी की आंगनवाड़ियों में विद्यारंभ कार्यक्रम मनाया

मक्सी। मक्सी के आंगनवाड़ी केंद्रों पर विद्यारंभ प्रमाण पत्र का आयोजन किया गया। इस दौरान अभिभावकों को प्रमाण पत्र वितरण किए गए। वार्ड 1 आंगनवाड़ी केंद्र पर अशोक लोधी पार्षद के मुख्य आतिथ्य में विद्यारंभ कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में बीएलए महेश भी उपस्थित रहे। वार्ड क्रमांक 3 मक्सी के आंगनवाड़ी केंद्र पर कार्यक्रम में नगर परिषद उपाध्यक्ष श्रीमती पूजा लोधी, महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष श्रीमती पुष्पा भावसार, शिक्षा विभाग से संतोष देथलिया के आतिथ्य में संपन्न हुआ। इसी प्रकार अन्य वार्ड में आंगनवाड़ी केंद्र पर नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती लाड़कुंवर बाई, वार्ड पार्षद रुक्मणि पाटीदार, भगवान सिंह मंडलोई, संगीता जैन, सुनीता, मोहसिम खान के आतिथ्य में विद्यारंभ प्रमाण पत्र वितरण किए गए। शिक्षा विभाग की भी इस कायक्र म में महत्वपूर्ण भूमिका रही। शिक्षा विभाग से संतोष देथालिया लोदरिक मिंज स्वेता व्यास कार्यक्रम में उपस्थित रहकर अभिभावकों को मार्गदर्शन दिया। कार्यक्रम का संचालन पर्यवेक्षक मधुबाला परमार द्वारा किया गया एवं विद्यारंभ प्रमाण पत्र का महत्व बताया गया। मधुबाला परमार द्वारा बताया गया कि मक्सी के संपूर्ण क्षेत्र में लगभग 126 बच्चों के अभिभावकों को विद्यारंभ प्रमाण पत्र वितरण किए, अभिभावकों में उत्साह देखने को मिला एवं सीएम का विद्यारंभ प्रमाण पत्र वितरण कार्यक्रम भी यूट्यूब के माध्यम से दिखाया गया।

विद्यारंभ कार्यक्रम से नन्हें कदम बढ़े स्कूल की ओर

शुजालपुर। मध्य प्रदेश शासन के महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा संचालित श्विद्यारंभ कार्यक्रम के तहत शुजालपुर के आंगनवाड़ी केंद्रों में नन्हें बच्चों के लिए विशेष आयोजन किए गए। कार्यक्रम का उद्देश्य 5 से 6 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों को सहज रूप से प्राथमिक शाला में प्रवेश के लिए तैयार करना तथा प्रारंभिक बाल्यावस्था शिक्षा को सुदृढ़ करना है। शहर के वार्ड क्रमांक 20/1 एवं वार्ड 23 स्थित आंगनवाड़ी केंद्रों में भारतीय संस्कृति के अनुरूप गायत्री परिवार के सदस्यों द्वारा मंत्रोच्चारण के साथ बच्चों का विद्यारंभ संस्कार कराया गया। इस दौरान बच्चों को शिक्षा के साथ संस्कारों से जोड़ने पर विशेष जोर दिया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत बच्चों के लिए चित्र पहचान, रंग पहचान, प्रारंभिक गणना एवं लेखन अभ्यास जैसी शैक्षणिक एवं मनोरंजक गतिविधियां आयोजित की गईं। इन गतिविधियों के माध्यम से बच्चों में स्कूल रेडीनेस विकसित करने का प्रयास किया गया। कार्यक्रम में अभिभावकों की सक्रिय सहभागिता भी सुनिश्चित की गई।

लेजर लैंड लेवलर का प्रदर्शन देख आश्चर्यचकित हुए किसान

कृषि विज्ञान केंद्र प्रक्षेत्र में फॉर्म डेवलपमेंट अंतर्गत हुआ उन्नत कृषि यंत्र के प्रदर्शन का आयोजन

शाजापुर। कृषि विज्ञान केंद्र प्रक्षेत्र में रविवार को फॉर्म डेवलपमेंट अंतर्गत आयोजन हुआ। इस दौरान उन्नत कृषि यंत्र लेजर लैंड लेवलर का प्रदर्शन किया गया। कृषि के क्षेत्र में इस यंत्र को विशेषज्ञों द्वारा काफी महत्वपूर्ण बताया जा रहा है। भूमि के समतलीकरण जैसे कार्यों को यह यंत्र इतने बेहतर तरीके से करता है जिससे कई सारे लाभ होते हैं।

प्रभारी डॉ. एसएस धाकड़ ने बताया कि यह आधुनिक कृषि यंत्र भूमि को समतल करने की सबसे प्रभावी तकनीक है जो कि लेजर गाइडेड तकनीक पर काम करता है। इसमें लेजर ट्रांसमीटर लेजर किरणें भेजने वाला, रिसीवर, कंट्रोल बॉक्स और बकेट मिट्टी हटाने वाला ब्लेड मुख्य भाग होते हैं।

सिंचाई में 20 से 30 फीसद पानी की होगी बचत

डॉ. धाकड़ बताते हैं कि लेजर लैंड लेवलर ट्रांसमीटर से लेजर किरणें निकलती हैं, जो रिसीवर द्वारा प्राप्त की जाती हैं। कंट्रोल बॉक्स के माध्यम से यह मशीन स्वचालित रूप से खेत की ऊंची और नीची जमीन का पता लगाकर मिट्टी को सही जगह फैलाती है। लेजर लैंड लेवलर के फायदे बताते हुए उन्होंने कहा कि इस तकनीक से समतल खेत में पानी समान रूप से बंटता है, जिससे सभी पौधों को एक समान पानी मिलता है। वहीं 20 से 30 फीसद सिंचाई पानी की बचत होती है। जल संरक्षण के साथ ही इस तकनीक में बेहतर जल निकासी होती है। जिससे बारिश का अतिरिक्त पानी आसानी से निकल जाता है, जिससे फसल खराब होने का खतरा कम होता है।

कम समय में होता है समतलीकरण

केवीके के प्रभारी डॉ। धाकड़ ने बताया कि पारंपरिक तरीकों की तुलना में, यह मशीन बहुत कम समय में सटीक लेवलिंग करती है। जिससे ट्रैक्टर के ईंधन और लेबर की लागत कम होती है। जमीन लेवल पर होने से कोई भी कृषि कार्य एवं कृषि क्रियाएं जैसे खेत की तैयारी, खेत की बुवाई या फसल कटाई आसान से हो जाती है। समतल खेत के कारण पानी और पोषक तत्व पूरे खेत में समान रूप से वितरित होते हैं, जिससे फसल की पैदावार में 20 फीसद तक की वृद्धि देखी गई है।

शहीद के परिवार को मिला 1 करोड़ का सहारा

शुजालपुर। कर्तव्य पथ पर शहीद हुए पुलिसकर्मी के परिवार के प्रति संवेदनशीलता दिखाते हुए शाजापुर जिला पुलिस ने सराहनीय पहल की है। पुलिस सैलरी पैकेज योजना के अंतर्गत स्वर्गीय प्रधान आरक्षक नरेंद्र परमार की पत्नी पवित्रा परमार को एक्सीडेंटल मृत्यु बीमा क्लेम के रूप में 1 करोड़ रुपये की सहायता राशि प्रदान की गई।

जानकारी के अनुसार प्रधान आरक्षक नरेंद्र परमार का 22 अगस्त 2025 को शुजालपुर में ड्यूटी के दौरान सड़क दुर्घटना में निधन हो गया था। घटना के बाद भारतीय स्टेट बैंक के माध्यम से बीमा क्लेम की प्रक्रिया पूर्ण कर राशि स्वीकृत कराई गई। मंगलवार को पुलिस अधीक्षक कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक यशपाल सिंह राजपूत की उपस्थिति में बैंक अधिकारियों ने चेक सौंपा। इस दौरान भारतीय स्टेट बैंक के मुख्य प्रबंधक शरद शर्मा एवं सहायक प्रबंधक आशिक भारती भी मौजूद रहे। पुलिस अधीक्षक ने दिवंगत आरक्षक की कर्तव्यनिष्ठा को नमन करते हुए शोक संतप्त परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की। उन्होंने कहा कि यह आर्थिक सहायता परिवार को कठिन समय में सहारा देगी। साथ ही बैंक की इस पहल की सराहना भी की गई।

जिले में 63 गेहूं उपार्जन केंद्र का निर्धारण

शाजापुर। इस साल रबी विपणन वर्ष में समर्थन मूल्य पर गेहूं उपार्जन कार्य 1 अप्रैल से 5 मई तक किया जाएगा। कलेक्टर सुश्री ऋजु बाफ्ना द्वारा उपार्जन केन्द्र निर्धारण का प्रस्ताव अनुविभागीय अधिकारी राजस्व शाजापुर, गुलाना एवं शुजालपुर से प्राप्त कर उपार्जन समिति से अनुमोदन उपरांत जिले में 63 पात्र संस्थाओं के समिति मंडी, उपमण्डी एवं गोदामो पर गेहूं उपार्जन केन्द्र निर्धारित किये गये हैं। जिसमें तहसील शाजापुर में 14, मो।बड़ोदिया में 08, गुलाना में 10, शुजालपुर में 10, पोलायकलां में 5, कालापीपल में 14, अ।बड़ोदिया में 2 इस प्रकार कुल 63 गेहूं उपार्जन केन्द्र बनाए गए हैं।

साबरमती आश्रम, साइंस गैलेक्सी, सरदार वल्लभ भाई पटेल मेमोरियल का किया भ्रमण

शाजापुर के युवा गुजरात के अंतर राज्यीय युवा आदान प्रदान कार्यक्रम से लौटे

शाजापुर। मेरा युवा भारत युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार की प्रमुख पहल के तहत पांच दिवसीय अंतर राज्यीय युवा आदान प्रदान कार्यक्रम तेरापंथ भवन जिला अहमदाबाद गुजरात में सफलतापूर्वक आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में शाजापुर जिले के नौ प्रतिभाशाली युवा पीयूष राठौर, उपलक्ष्य परमार, गीता राजपूत, जया कारवा, गुंजन चौहान, कीर्ति पाटीदार, सुभाष गुर्जर, चिरायू गुप्ता एवं यश बागनिया जिले का प्रतिनिधित्व कर 23 मार्च को शाजापुर लौटे। जिन्होंने एक भारत श्रेष्ठ भारत की भावना को मजबूत करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। मेरा युवा भारत शाजापुर द्वारा प्रतिनिधित्व करने वाले युवाओं ने गुजरात की सांस्कृतिक धरोहर, राष्ट्र निर्माण के सिद्धांत और आधुनिक कौशलों का प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त किया।

मेरा युवा भारत अहमदाबाद द्वारा प्रतिभागियो को गुजरात की समृद्ध विरासत और आधुनिक विकास के विभिन्न आयामों से रूबरू कराते हुए प्रमुख स्थलों का भ्रमण और गहन मार्गदर्शन करवाया गया। सर्वप्रथम अमूल डेयरी प्लांट का भ्रमण करवाया गया। जहां युवाओं ने डेयरी उद्योग की आधुनिक प्रक्रिया, सहकारी मॉडल और ग्रामीण अर्थव्यवस्था में योगदान को समझा। द्वितीय साबरमती आश्रम का भ्रमण करवाया गया, जहां महात्मा गांधी के जीवन दर्शन और स्वतंत्रता संग्राम की प्रेरणा से अवगत करवाया गया। तृतीय अटल ब्रिज और सरदार वल्लभ भाई पटेल मेमोरियल का भ्रमण करवाया। जहां पर युवाओं में एकता और राष्ट्र निर्माण के प्रतीक स्थलों पर राष्ट्रभक्ति की भावना का संचार हुआ। चतुर्थ साइंस गैलेक्सी सिटी गुजरात साइंस सिटी का भ्रमण करवाया गया। जहां पर विज्ञान, प्रौद्योगिकी और इनोवेशन के क्षेत्र में रोचक अनुभव युवाओं ने प्राप्त किए।जिला क्रीडा अधिकारी शिक्षा विभाग बीएल गोयल ने युवाओं की सफल वापसी पर हार्दिक बधाई देते हुए कहा कि यह यात्रा शाजापुर के युवाओं के लिए एक मील का पत्थर साबित हुई है। उन्होंने न केवल नई संस्कृति सीखी, बल्कि राष्ट्र निर्माण के लिए खुद को समर्पित करने का संकल्प भी लिया, सागर वाधवानी जिला युवा अधिकारी मेरा युवा भारत शाजापुर ने सभी 09 युवाओं को शुभकामनाएं देते हुए कहा इस सफल भागीदारी से शाजापुर जिला गौरवान्वित है। अंतर राज्यीय युवा आदान प्रदान कार्यक्रम अहमदाबाद गुजरात से लौटे युवाओं को हेमेन्द्र यादव प्राचार्य उत्कृष्ट विद्यालय शाजापुर एवं माखन धानुक वरिष्ठ शिक्षक व एनसीसी प्रभारी शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय शाजापुर ने भी शुभकामनाएं और बधाई दी।

अंधेरे में डूबी छोरीया टाउनशिप कॉलोनी

पानी को तरसे लोग, सुरक्षा भगवान भरोसे

शुजालपुर। शहर के फ्रीगंज क्षेत्र स्थित छोरिया टाऊनशीप यशवंत नगर कॉलोनी में हालात अब बद से बदतर होते जा रहे हैं। यहां न रोशनी है, न पानी की व्यवस्था और न ही सुरक्षा का कोई इंतजाम। जिम्मेदारों की अनदेखी के चलते कॉलोनी के सैकड़ों लोग हर दिन असुविधा और डर के साए में जीने को मजबूर हैं।

कॉलोनी की स्ट्रीट लाइट लंबे समय से बंद पड़ी हैं। जैसे ही शाम ढलती है, पूरा इलाका अंधेरे में डूब जाता है। रहवासियों का कहना है कि अंधेरे का फायदा उठाकर असामाजिक तत्वों की आवाजाही बढ़ गई है। महिलाएं और बुजुर्ग खास तौर पर खुद को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। स्थिति तब और गंभीर हो गई, जब कॉलोनी में तैनात सुरक्षा गार्ड को बिना सूचना हटा लिया गया। रहवासियों का आरोप है कि इससे साफ जाहिर होता है कि कॉलोनी की सुरक्षा को लेकर जिम्मेदार पूरी तरह लापरवाह हैं।

पानी के लिए जेब ढीली, टैंकर ही सहारा

जल संकट भी चरम पर है। पास के कुओं की साफा-सफाई नहीं होने से उनका उपयोग नहीं हो पा रहा। मजबूरन लोगों को रोजाना टैंकर से पानी खरीदना पड़ रहा है, जिससे आर्थिक बोझ लगातार बढ़ता जा रहा है।

शिकायतें हुई बेअसर, अब कलेक्टर से आस...

रहवासी पहले ही अनुविभागीय अधिकारी, पुलिस और स्थानीय प्रशासन को शिकायत दे चुके हैं, लेकिन हालात जस के तस हैं। अब कलेक्टर से गुहार लगाई गई है कि तुरंत हस्तक्षेप कर समस्या का समाधान कराया जाए। कॉलोनीवासियों का कहना है कि अगर समय रहते स्ट्रीट लाइट, पानी और सुरक्षा की व्यवस्था बहाल नहीं हुई, तो कोई बड़ी घटना होने से इनकार नहीं किया जा सकता। इस संबंध में अनुविभागीय अधिकारी शुजालपुर से भी कॉलोनी रहवासी मिले और छोरिया टाऊनशीप से संबंधित जानकारी दी, जिस पर अनुविभागीय अधिकारी राजस्व ने रहवासियों को आश्वासन दिया कि वे कॉलोनाइजर के विरूद्ध आवश्यक कार्यवाही करेंगे और रहवासियों को सुविधाएं उपलब्ध हो इसके लिए प्रयास करेंगे।

एक नजर में — रांगोली प्रतियोगिता, चित्रकला, सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं का किया आयोजन

कलेक्टर ने आंगनवाड़ी में नन्हे-मुन्ने बच्चों को बांटे विद्यारंभ प्रमाण-पत्र

शाजापुर। कलेक्टर ऋजु बाफ्ता के मार्गदर्शन में जिले के आंगनवाड़ी केन्द्रों पर 5 से 6 साल के बच्चों को प्रारंभिक शाला में सहज रूप से स्थानांतरित करने और आंगनवाडी केन्द्रों मे प्रारंभिक बाल्यावस्था शिक्षा के सुदृढ़ीकरण के उद्देश्य से शिक्षा पूर्ण करने पर 1054 आंगनवाड़ी केन्द्रों पर जन प्रतिनिधियों एवं अभिभावकों की उपस्थिति में कार्यक्रम हुए, जिसमे बच्चों ने बढ चढ़कर भाग लिया।

कार्यक्रम में रांगोली प्रतियोगिता, चित्रकला, सांस्कृति प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। राज्य स्तर पर महिला एवं बाल विकास मंत्री ने उक्त कार्यक्रम का शुभारंभ किया। विधानसभा क्षेत्र कालापीपल में विधायक घनश्याम चंद्रवंशी की उपस्थित में विद्यारंभ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें नगर परिषद अध्यक्ष जयप्रकाश अग्रवाल, पीआईसी सदस्य पार्षद दीपक नेमा एवं परियोजना अधिकारी ललित राठौर की उपस्थिति में जन प्रतिनिधियों, बच्चों एवं अभिभावकों की उपस्थिति में विद्यारम्भ प्रमाण पत्रों का वितरण किया गया। इसी तरह शुजालपुर के वार्ड 20 तथा 23 के आंगनवाड़ी केंद्रों पर विद्यारंभ कार्यक्रम में नगर पालिका अध्यक्ष बबीता बेनी प्रसाद परमार, मधु मंडलोई एवं वार्ड पार्षद अंजू खत्री, वार्ड पार्षद नितेश मालवीय, लक्ष्मण परमार एवं उनकी टीम की उपस्थिति में विद्यारंभ प्रमाण पत्रों का वितरण किया गया। जिला स्तर पर शाजापुर परियोजना के वार्ड 18 में सर्वप्रथम महिला एवं बाल विकास मंत्री का उदबोधन सुना गया। तत्पश्चात बच्चों द्वारा गीत, कविता एवं नृत्य के माध्यम से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इस दौरान पार्षद प्रेम यादव, श्रीमती श्रद्धा नागर, मनोज गवली एवं सीएम राइज विद्यालय प्राचार्य श्रीमती रानू सक्सेना उपस्थित थी। इस दौरान सर्वप्रथम सहायक संचालक महिला एवं बाल विकास विभाग सुश्री नीलम चौहान ने कार्यक्रम की रूप रेखा, उद्देश्य व महत्व पर प्रकाश डालते हुए शाला पूर्व प्रारंभिक शिक्षा की सम्पूर्ण गतिविधियों पर प्रकाश डाला।

साथ ही बच्चों के विकास से लेकर सुरक्षा व संरक्षण व उनकी योजनाओं के बारे में चाइल्ड हेल्पलाइन, मिशन वत्सलय व मिशन शक्ति की जानकारी दी। इस दौरान श्रीमती श्रद्धा नागर ने इस पहल को सराहना करते हुए बेहतर क्रियान्वयन पर जोर दिया। साथ ही महिला एवं बाल विकास जिला कार्यक्रम अधिकारी संजय त्रिपाठी ने ईसीसीई गतिविधियों को बच्चो के विकास में महत्वपूर्ण योजना बताते हुए सर्वांगीण विकास का माध्यम बताते हुए बच्चो के स्कूल में प्रवेश से पूर्व की परीपूर्ण तैयारी एवं विद्यारंभ प्रमाण पत्र बाल्यावस्था में प्रमाण पत्र के महत्व को बताया। पार्षद प्रेम यादव ने कहा कि विभागीय योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन की एक नई कड़ी के रूप में इस कार्य की शुरुआत निसंदेह बच्चों के जीवन में सार्थक भूमिका निभाएगा।

पर्यवेक्षक प्रिया गोस्वामी ने आधारशिला एवं नवचेतना, पाठ्यक्रम की बारीकियों के बारे में अवगत कराया। इस दौरान पर्यवेक्षक श्रीमती संगीता यादव उपस्थित रही। आभार परियोजना अधिकारी सुश्री नेहा चौहान ने व्यक्त किया।

पालकों ने जताई संतुष्टि, कार्यकर्ताओं की सराहना की....

मक्सी, 24 मार्च। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय भारत सरकार के निर्देशानुसार आंगनवाड़ी केंद्र में विद्यारंभ प्रारंभिक बाल्यावस्था शिक्षा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में वार्ड क्रमांक 5 की पार्षद रुक्मणि पाटीदार मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रही। इस अवसर पर आंगनवाड़ी केंद्र में नियमित रूप से आने वाले 5 से 6 वर्ष आयु के बच्चों को उनके पालकों की उपस्थिति में विद्यारंभ प्रमाण पत्र वितरित किए गए। कार्यक्रम के दौरान आंगनवाड़ी कार्यकर्ता सविता पुष्कर, संगीता सोनगरा एवं सलमा बी ने जानकारी देते हुए बताया कि केंद्र में 0 से 6 वर्ष तक के बच्चों को अनौपचारिक शिक्षा एवं समुचित मार्गदर्शन प्रदान किया जाता है, जिससे उनका सर्वांगीण विकास सुनिश्चित हो सके।उन्होंने बताया कि जो बच्चे अब 6 वर्ष के हो चुके हैं, उन्हें प्रमाण पत्र प्रदान कर आगे की स्कूली शिक्षा के लिए तैयार किया गया है। प्रमह्याण पत्र में बच्चों की अपर आईडी भी दर्ज है, जिससे उन्हें विद्यालय में प्रवेश के दौरान किसी प्रकार की परेशानी नहीं होगी। कार्यक्रम में उपस्थित पालकों ने बच्चों की देखरेख एवं शिक्षा व्यवस्था को लेकर संतुष्टि व्यक्त करते हुए आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं की प्रशंसा की। इस अवसर पर वार्ड क्रमांक 4 की कार्यकर्ता सविता पुष्कर, वार्ड क्रमांक 5 की संगीता सोनगरा, वार्ड क्रमांक 6/2 की कार्यकर्ता सलमा बी सहित बड़ी संख्या में पालकगण उपस्थित रहे।